सेमेस्टर–6

प्रश्नपत्र–12

साहित्य-चिंतन-1

100 अंक

I. भारतीय काव्यशास्त्र

भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा और विभिन्न संप्रदाय

रस, अलंकार, रीति

(इन संप्रदायों के आचार्य, उनके काल एवं उनकी स्थापनाओं का सामान्य परिचय)

II ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य

(इन संप्रदायों के आचार्य, उनके काल एवं उनकी स्थापनाओं का सामान्य परिचय)

III –काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन

–शब्द शक्ति – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

–रस का स्वरूप, रस के अंग, रस के भेद

–अलंकार : अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, विरोधाभास, रूपक, विभावना, उत्प्रेक्षा, असंगति, अतिशयोक्ति।

–छंद : दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, हरिगीतिका, मंदाक्रांता, द्रुतविलंबित, इंद्रवज्रा, सवैया, घनाक्षरी।

IV विविध विधाओं और साहित्य रूपों का तात्त्विक विवेचन

प्रबंधकाव्य, गीतिकाव्य, नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध आदि

~~प्रश्न पत्र का अंक विभाजन~~

प्रश्न : 4 X 15	60
टिप्पणी : 2 – 7 और 8 अंक	~~15~~
	75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1. काव्य दर्पण – रामदहिन मिश्र
2. काव्य मीमांसा – ती.न. श्रीकण्ठैय्या
3. रस-सिद्धांत – नगेन्द्र

अन्य सहायक पुस्तकें :

1. साहित्य-सहचर – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. भारतीय काव्यशास्त्र : सुबोध विवेचन – सत्यदेव चौधरी
3. काव्यतत्त्व विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी
4. सिद्धांत और अध्ययन – बाबू गुलाबराय

5. साहित्य–सिद्धांत – रामअवध द्विवेदी
6. काव्य के तत्त्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा
7. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र
8. साधाारणीकरण और काव्यास्वाद – राजेन्द्र गौतम
9. साहित्य का स्वरूप – नित्यानंद तिवारी
10. भारतीय आलोचनाशास्त्र – राजवंश सहाय 'हीरा'
11. रस मीमांसा – आचार्य रामचंद शुक्ल